सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते है।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता ।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

किन्नू की खेती

किन्नू नींबू वर्गीय फलों की एक संकर किस्म है। किन्नू की बागवानी पुरे भारत में सफलतापूर्वक की जा सकती है। किन्नू के उत्पादक राज्य में पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, जम्मू और कश्मीर आदि प्रमुख है। किन्नू में विटामिन सी के आलावा विटामिन ए, बी तथा खनिज तत्व भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसका रस खून बढ़ने, हड्डियों की मजबूती तथा पाचन में लाभकारी होता है। इसमें खटास व मिठास का अच्छा संतुलन होता है। इसके फल का छिलका न तो संतरे की तरह बहुत ढीला हैं न माल्टा की तरह बहुत ही सख्त होता है।

KAUSHAL KISAN BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

जलवायु

किन्नू की खेती उपोष्ण जलवायु वाले क्षेत्रो की जाती है, यानि की अर्द्ध-शुष्क जलवायु अच्छी रहती है अर्थात किन्नू का पौधा 10 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान में अच्छा पनपता है| यह सर्दियों में बहुत कम तापमान तथा गर्मियों में अधिक तापमान सह सकता हैं|

भूमि या मृदा

किन्नू की खेती अनेक प्रकार की मिट्टी, जैसे कि रेतली-दोमट से चिकनी-दोमट या गहरी चिकनी-दोमट या तेज़ाबी मिट्टी में की जा सकती है| लेकिन इसके लिए गहरी जल निकासी वाली दोमट व उपजाऊ भूमि जिसमें 2 मीटर गहराई तक किसी प्रकार की सख्त परत नहीं हो उपयुक्त रहती है

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

खेती की तैयारी

किन्नू की बागवानी के लिए 6 x 6 या 5 x 6 मीटर की दूरी (कतार से कतार व पौधे से पौधा) पर लगाए जाते है।

किन्नू के सघन पौधे के बाग लगाकर भूमि का उचित प्रयोग किया जा सकता है तथा प्रति हैक्टेयर उत्पादन दो ढाई गुणा बढ़ सकता है। किसान यदि 6 x 6 या 5 x 6 मीटर की जगह 4 x 6 मीटर की दूरी पर पौधे लगा सकता है।

उन्नत किस्में

Kinnow: यह राज्य का मुख्य फल है| इसके फल सुनहरी-संतरी रंग के होते है और रस मीठा होता है| इसके फल हल्के खट्टे और स्वादिष्ट होते हैं| इसके फल जनवरी में तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं|

Local: यह पंजाब के छोटे क्षेत्रों में उगाई जाने वाली किस्म है| इसके फल आकार में छोटे और सामान्य होते हैं| इसका छिलका संतरी-पीले रंग का होता है| इसके फल दिसंबर से जनवरी महीने में पक कर तैयार हो जाती है|

PAU Kinnow-1: इस किस्म के फल जनवरी महीने में पक जाते हैं। फल में 0—9 बीज होते हैं। इसकी औसतन उपज 45 किलो प्रति वृक्ष होती है।

Daisy: इस किस्म के फल नवंबर के तीसरे सप्ताह में पकते हैं। फल में 10—15 बीज होते हैं। इसकी औसतन उपज 57 किलो प्रति वृक्ष होती है।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

फल तुड़ाई

किन्नू फल के उचित आकार और आकर्षक रंग लेने पर तुड़ाई करनी चाहिए। किस्म के अनुसार किन्नू आमतौर पर मध्य जनवरी से मध्य फरवरी में पक जाते है। सही समय पर तुड़ाई करना आवश्यक है, क्योंकि समय से पहले या देरी से तुड़ाई करने से फलों की गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

पैदावार

किन्नू की खेती से उपज जलवायु, भूमि, किस्म तथा पौधे के रखरखाव पर निर्भर करती हैं। परन्तु उपरोक्त वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी करने पर **एक पूर्ण विकसित पौधे से 80 से 170 किलोग्राम फलत मिल जाती है।**

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कीट एवं रोकथाम

सिल्ला- सिल्ला नींबू वर्गीय वृक्षों का प्रमुख कीट है, इसका प्रकोप नींबू वर्गीय सभी प्रजातियों में होता है। शिशु व प्रौढ नई टहनियों से रस चूसते रहते है, जिससे पौध की बढवार रूक जाती है व फल कम लगते है। इसकी रोकथाम के लिए 750 मिलीलीटर मैटासिस्टोक्स 25 ईसी को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें या इमीडाक्लोप्रिड 5 मिलीलीटर को प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें, 15 दिनों के अंतराल पर दोबारा छिड़काव करें।

तितली- इस कीट की सुण्डी पत्तो को नुकसान पहुंचाती है। इसकी रोकथाम के लिए 750 मिलीलीटर एण्डोसल्फान को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कौशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

- पौधों को किसानो के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।
- क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुबिधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है ।
- २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।
- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनिकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं
- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,
Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Ofiice No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | **Website :** www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com